प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी
जनपद– गाजियाबाद, हापुड, बुलन्दशहर, मेरठ उ0प्र0। 5290-4

पत्रांकः एस0पी0एम0यू/एन0एच0एम0/आई0ई0सी0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20 दिनांकः 17.9.2019

विषयः राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा किये गये भ्रमण के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 26 से 29 अगस्त 2019 के मध्य आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था तथा भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये (भ्रमण आख्या संलग्न)।

आपको निर्देशित किया जाता है कि राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा पायी गयी कमियों का निराकरण कराते हुए अनुपालन आख्या 01 सप्ताह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक– यथोक्त।

भवदीय

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

पत्रांकः एस0पी0एम0यू/एन0एच0एम0/आई0ई0सी0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उत्तर प्रदेश।
2. महानिदेशक, परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश।
3. जिलाधिकारी, गाजियाबाद, हापुड, बुलन्दशहर एवं मेरठ उत्तर प्रदेश।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मेरठ मण्डल उत्तर प्रदेश।
5. सी0एम0एस, राजकीय एम0एम0जी0 चिकित्सालय, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश।
6. समस्त महाप्रंबधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश।
7. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, मेरठ उत्तर प्रदेश।
8. जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक, गाजियाबाद, हापुड, बुलन्दशहर एवं मेरठ, उत्तर प्रदेश।

(डा0 स्वप्ना दास)
महाप्रबंधक एन0यू0एच0एम0

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी
जनपद– गाजियाबाद, हापुड, बुलन्दशहर, मेरठ उ0प्र0।

पत्राकः एस0पी0एम0यू/एन0एच0एम0/आई0ई0सी0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20 दिनांकः 17.9.2019

विषयः राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा किये गये भ्रमण के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 26 से 29 अगस्त 2019 के मध्य आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था तथा भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये (भ्रमण आख्या संलग्न)।

आपको निर्देशित किया जाता है कि राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा पायी गयी कमियों का निराकरण कराते हुए अनुपालन आख्या 01 सप्ताह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक– यथोक्त।

भवदीय

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

5290-4(8)

पत्राकः एस0पी0एम0यू/एन0एच0एम0/आई0ई0सी0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उत्तर प्रदेश।
2. महानिदेशक, परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश।
3. जिलाधिकारी, गाजियाबाद, हापुड, बुलन्दशहर एवं मेरठ उत्तर प्रदेश।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मेरठ मण्डल उत्तर प्रदेश।
5. सी0एम0एस, राजकीय एम0एम0जी0 चिकित्सालय, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश।
6. समस्त महाप्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश।
7. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, मेरठ उत्तर प्रदेश।
8. जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक, गाजियाबाद, हापुड, बुलन्दशहर एवं मेरठ, उत्तर प्रदेश।

(डा0 स्वप्ना दास)
महाप्रबंधक एन0यू0एच0एम0

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

पर्यवेक्षण आख्या जनपद–गाजियाबाद
दिनांक 26.08.2019 से 30.08.2019 तक

भ्रमण टीम के सदस्य–:

1. डा0 स्वपना दास, महाप्रबंधक, एन.यू.एच.एम.।
2. डा0 पी0के0 श्रीवास्तव, उपमहाप्रबंधक , ई0एम0टी0एस0।
3. सुमित सोनकर, राज्य परामर्शदाता, आई.ई.सी.,एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
दिनांक–27.08.2019 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–मुरादनगर		
जननी सुरक्षा योजना अंर्तगत इस वित्तीय वर्ष में अगस्त तक 578 डिलीवरी हुई जिसके सापेक्ष मात्र 60 प्रतिशत लाभार्थियो को ही भुगतान किया गया, जे.एस.वाई. नोडल अधिकारी का रिकार्ड रजिस्टर चेक किया गया, जो कि अपडेट नहीं पाया गया।	जे.एस.के. रिकार्ड रजिस्टर अपडेट रखा जाये	एम.ओ.आई.सी.
• चिकित्सा ईकाई में बायो मैट्रिक मशीन लगी होने के बाद भी निष्प्रयोज्य पाई गई, उपस्थिति रजिस्टर में ही दर्ज की जा रही थी।	बायो मैट्रिक मशीन से उपस्थिति सुनिश्चित की जाये	एम.ओ.आई.सी.
• बायो मेडिकल इक्यूपमेंट का रिकार्ड कई रजिस्टरों में दर्ज पाया गया, सेंट्रलाइज्ड रजिस्टर नहीं बनाया गया था।	सेंट्रलाइज्ड रजिस्टर तैयार करें	एम.ओ.आई.सी.
• जे.एस.एस.के. डाइट रजिस्टर का निरीक्षण करने पर सभी कॉलम पूर्णतः नहीं भरे जा रहे थें।		
• लाभार्थी को दिया जाने वाला डाईट से सम्बन्धित डाईट चार्ट Display नहीं किया गया था।	डाईट चार्ट Display करें	एम.ओ.आई.सी.
• जे.एस.वाई वार्ड में बेड पर जंग लगा हुआ पाया गया।		
• अल्ट्रासाउण्ड मशीन होने के बाद भी प्रयोग नहीं की जा रही है एक माह से अधिक समय से मशीन बंद है।	अल्ट्रासाउण्ड मशीन चालू की जाये	सी.एम.ओ.
• आर.बी.एस.के. टीम के साथ बैठक कर उनके रजिस्टरों का निरीक्षण किया गया, रजिस्टर अपूर्ण पाये गये, लाभार्थियों के कॉन्टेक्ट नम्बर अंकित नहीं किये जा रहे थे।	रजिस्टर के कॉलम पूर्णतः भरे जायें	एम.ओ.आई.सी.
• चिकित्सा ईकाई में ब्लड स्टोरेज मशीन पाई गई लेकिन मशीन को इंस्टाल नहीं किया गया था।	मशीन को जल्द ही इंस्टाल करायें	सी.एम.ओ.
• जे.एस.वाई वार्ड में आई0ई0सी0 मैटेरियल की कमी पाई गई। वार्ड में प्रसूताओं को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी का अभाव मिला।	आई0ई0सी0 मैटेरियल लगवाना सुनिश्चित करें	एम.ओ.आई.सी.
• भ्रमण में पाया गया कि सामान्य प्रसव वाले अधिकांश लाभार्थी 48 घन्टे चिकित्सालय में नहीं रूक रहे हैं।		
• स्वास्थ्य ईकाई में आने वाली किशोरियों से भेंट की गयी उन्हें किशोरियों हेतु दी जा रहीं चिकित्सकीय सेवाओं के बारे मे जानकारी नहीं थी।		
• सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की पूर्व जानकारी होने के बाद भी अधीक्षक शाम तीन बजे तक चिकित्सा इकाई में नहीं मिले।	पर्यवेक्षण के दौरान अधीक्षक मौजूद रहना सुनिश्चित करें।	सी.एम.ओ. सी.एम.ओ.

भ्रमण क्षेत्र–दिनांक 27.08.2019 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, पुरी		
• मरीजों की जांच प्रभावी ढंग से नहीं की जा रही थी। • ब्लड प्रेशर मशीन का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। • सेंटर पर कार्यरत हेल्थ आफिसर को एच.आर.पी. के बारे में जानकारी नहीं थी।		
• पोर्टल पर 400 मरीजों का डाटा फीड पाया गया किन्तु उनका स्क्रीनिंग डाटा नहीं पाया गया।	स्क्रीनिंग डाटा मेनटेन रखें	एम.ओ.आई.सी.
• ओरल कैंसर, सरवाइकल कैंसर व एन.सी.डी. से जुड़ी जांचों को करने के लिए सेंटर पर इक्यूपमेंट नहीं पाये गये।		
• सीबैक फार्म (community based assisment check list) को सुचारू रूप से नहीं भरा जा रहा था।	सीबैक फार्म अवश्य भरा जाये	एम.ओ.आई.सी.
• सेंटर पर बिजली के उपकरण लगे हुए पाये गये किन्तु सेंटर पर बिजली का कनेक्शन नहीं था।	बिजली का कनेक्शन कराया जाये	सी.एम.ओ.
• हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में आई.ई.सी. मैटेरियल नहीं पाये गये। सी.एच.ओ. को सी.एच.सी. से पोस्टर मंगाये जाने के निर्देश दिये गये।	आई.ई.सी. मैटेरियल लगाये जायें	सी.एच.ओ.
दिनांक 29.08.2019 राजकीय एम.एम.जी. चिकित्सालय–गाजियाबाद		
• ई हास्पिटल कियान्वयन हेतु कम्प्यूटर आदि लग गये है किन्तु मानव संसाधन एस.पी.एम.यू. से न मिलने के कारण ई हास्पिटल कियाशील नहीं हो सका है।	मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाये	**एस.पी.एम.यू.**
• 10 बेड वाला जिरायाटिक वार्ड तैयार है लेकिन डॉक्टर की तैनाती न होने के कारण मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है।	डॉक्टर की तैनाती की जाये	सी.एम.ओ.
• नशा मुक्ति हेतु ओपियाड सब्सीट्यूशनल थेरेपी हेतु वार्ड कियाशील है और चार मरीजों का उपचार किया जा रहा है। इस ओ.एस.टी. वार्ड के प्रथार प्रसार हेतु आई0ई0सी0 की नितान्त आवश्यकता है।	आई0ई0सी0 मैटेरियल लगाये जायें	
• ओ.पी.डी. के बाहर लगा वाटर कूलर कियाशील नहीं पाया गया।		
• ईमरजेंसी वार्ड में मरीजों को मच्छर मक्खी से बचाव हेतु ईमरजेंसी वार्ड की खिडकियों पर जाली नहीं लगी पायी गई।	ईमरजेंसी वार्ड में साफ सफाई पर ध्यान देना आवश्यक	**सी.एम.एस.**
• ईमरजेंसी वार्ड में बेड पर चादरें गंदी व फटी हुई पायी गई।		
• ईमरजेंसी वार्ड में मरीजों की बेड के बगल में स्टूल नहीं लगे पाये गये।		
• चिकित्सा ईकाई में बायो मेडिकल इक्यूपमेंट का सेण्ट्रल रजिस्टर नहीं पाया गया।	सेण्ट्रल रजिस्टर तैयार किया जाये	**सी.एम.एस**
• अल्टा साउण्ड कक्ष में कहीं भी पी.सी.पी.एन.डी.टी. का पोस्टर नहीं लगा पाया गया।		
• पैथोलॉजी कक्ष में मरीजों और तीमारदारों के बैठने हेतु बेंच नहीं पाई गई।		
• ब्लड बैंक सुचारू रूप से कियाशील पाया गया, सी.एम.एस. द्वारा अवगत कराया गया कि ब्लड ट्रांसपोटेशन वैन बहुत पुरानी होने के कारण एन.सी.आर. रीजन में चलाये जाने पर समय–समय पर दिक्कत होती है। सी.एम.एस. द्वारा अनुरोध किया गया कि एस.पी.एम.यू. एन.एच.एम. स्तर से नयी ब्लड ट्रांसपोटेशन वैन उपलब्ध कराई जाये।	ब्लड ट्रांसपोटेशन वैन उपलब्ध कराई जाये	**एस.पी.एम.यू.**

बैठक- कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी		
• बायो मेडिकल वेस्ट के बिल एजेंसी द्वारा अप्रैल से प्रेषित न किये जाने के कारण भुगतान नहीं किया जा रहा है। • सभी चिकित्सा ईकाईयों के स्टाफ को बायो मेडिकल इक्यूपमेंट हेतु ओरिएन्टेशन कराया जाये। • ए.एन.एम. को दिये गये सिमकार्ड व टैबलेट मे लगे साफ्टवेयर लॉक न खुलने के कारण कार्य प्रभावित है, टैबलेट को क्रियाशील कराया जाये। • बैठक में महाप्रबंधक एन.यू.एच.एम. व आई.सी.डी.एस. प्रतिनिधि के बीच हुई वार्ता के क्रम मे निर्णय लिया गया कि यू.एच.एन.डी. में जहा भी आशाओ ने फार्म भर लिए हैं वहां पर आंगनवाडी कार्यकत्री दोबारा फार्म नहीं भरेंगी। विपस की गोलियां आई.सी.डी. एस. के माध्यम से भी बांटी जायेंगी। • एम्बुलेंस 102 तथा 108 के रजिस्टर दिनांक 08 अक्टूबर 2018 के शासनादेश के अनुसार मेनटेन किये जायें तथा फिजिकल इंस्पेक्शन रिपोर्ट प्रतिमाह एस.पी.एम.यू. को प्रेषित की जाये।	बायो मेडिकल इक्यूपमेंट हेतु ओरिएन्टेशन फिजिकल इंस्पेक्शन रिपोर्ट प्रतिमाह प्रेषित की जाये	सी.एम.ओ. सी.एम.ओ.

सुमित सोनकर
परामर्शदाता, एन.एच.एम

डा0 पी0के0 श्रीवास्तव
उपमहाप्रबंधक , ई0एम0टी0एस0

पर्यवेक्षण आख्या जनपद- हापुड
दिनांक 28.08.2019

भ्रमण टीम के सदस्य-:

1. डा० पी०के० श्रीवास्तव, उपमहाप्रबंधक , ई०एम०टी०एस०।
2. सुमित सोनकर, राज्य परामर्शदाता, आई.ई.सी., एस०पी०एम०यू० / एन०एच०एम०।

दिनांक 28.08.2019 वी.एच.एन.डी. सत्र- असौड़ा,हापुड		
शुगर टेस्ट के लिए ग्लूको मीटर पाया गया लेकिन ग्लूको मीटर में बैट्री डिस्चार्ज पायी गई साथ ही कई महीनों से टेस्टिंग स्ट्रिप की सप्लाई न होने की बात प्रकाश में आयी।	ग्लूको मीटर उपलब्ध कराया जाये।	एम.ओ.आई.सी.
• सेंटर पर रखा हुआ स्टेथोस्कोप खराब पाया गया। • ए.एन.सी. रजिस्टर में अधिकांश लाभार्थियों के मोबाइल नम्बर व एकाउण्ट नंबर नहीं पाये गये।	स्टेथोस्कोप उपलब्ध कराया जाये	एम.ओ.आई.सी.
• सेंटर पर बिजली का कनेक्शन न होने के कारण मरीजों व तीमारदारों को होने वाली दिक्कत से टीम को अवगत कराया गया।	बिजली का कनेक्शन कराया जाये	एम.ओ.आई.सी.
दिनांक 28.08.2019 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हापुड		
• प्रथन तल पर कलर कोडेड डस्टबिन नही पाये गये। • सर्जिकल वार्ड में किसी भी बेड पर बेड शीट नहीं पाई गई।	बेड शीट प्रयोग किया जाये	एम.ओ.आई.सी.
• संचारी रोग वार्ड की खिडकी के शीशे टूटे हुए मिले।	शीशे ठीक कराये जायें	एम.ओ.आई.सी.
• जननी सुरक्षा वार्ड में बिस्तर पर कलर कोडेड बेड शीट का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। • जननी सुरक्षा वार्ड मे रखे हुए स्टूलों पर जंक लगा हुआ पाया गया। • एस.एन.सी.यू. में ए.सी. के कारण दीवार पर सीलन पायी गई, जिसे ठीक कराये जाने के निर्देश दिये गये।	कलर कोडेड बेड शीट का प्रयोग	एम.ओ.आई.सी.
• डाइट दी जा रही है किन्तु डाइट रजिस्टर अपडेट नहीं पाया गया।	डाइट रजिस्टर अपडेट रखें	एम.ओ.आई.सी.
• आपरेशन थिएटर में डिजिटल क्लॉक नहीं पायी गई। • ओ.टी. में नई ओ.टी. टेबिल रखी हुई थी लेकिन उसको इंस्टाल नहीं कराया गया है।	डिजिटल क्लॉक	एम.ओ.आई.सी.
• बायो मेडिकल इक्यूपमेंट रजिस्टर मेनटेन नहीं किया जा रहा है, मेडिकल इंचार्ज को बायो मेडिकल इक्यूपमेंट रजिस्टर अपडेशन की जानकारी नहीं है।	बायो मेडिकल इक्यूपमेंट रजिस्टर मेनटेन करें	एम.ओ.आई.सी.
• प्रसव कक्ष में Colour Coded Waste bins रखे गये थे, मातृ स्वास्थ्य व प्रसव सबंधी प्रोटोकाल पोस्टर कम पाये गये । • सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घन्टे चिकित्सालय में नहीं रुक रहे हैं। • लाभार्थी को दिया जाने वाला डाईट से सम्बन्धित	प्रसव कक्ष को सुदृढ करें	एम.ओ.आई.सी.

डाईट चार्ट Display नहीं किया गया था। • 102 एम्बुलेंस का रजिस्टर सही पाया गया किन्तु 108 एम्बुलेंस का रजिस्टर मेनटेन नहीं पाया गया। टीम द्वारा शासनादेश के अनुसार रजिस्टर को बनाया जाना व रजिस्टर को प्रतिदिन अपडेट किये जाने के निर्देश दिये गये।	डाईट चार्ट Display करें शासनादेश के अनुसार रजिस्टर मेनटेन करें	 सी.एम.ओ.
बैठक–कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी		
• जनपद में 17 पी.एच.सी व 2 अर्बन में हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर खुल गये हैं और 22 सेंटर नये मिले हैं जिनकी ब्राण्डिंग का काम कराया जाना शेष है।	हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर की ब्राण्डिग करायें	सी.एम.ओ.
• सी.एम.ओ. द्वारा बताया गया कि बायो मेडिकल वेस्ट की टेण्डर फर्म की अनियमितता की वजह से इस वित्तीय वर्ष में कोई भुगतान नहीं किया गया है, पुनः नोटिस प्रेषित की जा रही हैं।	बायो मेडिकल वेस्ट की टेण्डर फर्म को नोटिस जारी करें	सी.एम.ओ.
• 108 एम्बुलेंस के बावत सी.एम.ओ. द्वारा अवगत कराया गया कि जिलाधिकारी स्वंय भी एम्बुलेंस की परफार्मेंस से नाराज हैं, टीम द्वारा बताया गया कि मासिक फार्मेट–3 को प्रतिमाह भरकर एस.पी.एम.यू भेजा जाये ताकि भुगतान में कटौती की जा सके।	फार्मेट–3 को प्रतिमाह भरें	सी.एम.ओ.
• एन.यू.एच.एम. में चिकित्सक के तीन पद सर्जित हैं जिनमें से दो पद रिक्त हैं।	चिकित्सक के पद पर नियुक्ति की जाये	एस.पी.एम.यू

सुमित सोनकर
परामर्शदाता, एन.एच.एम

डा0 पी0के0 श्रीवास्तव
उपमहाप्रबंधक , ई0एम0टी0एस0

जनपद गाजियाबाद व मेरठ भ्रमण आख्या दिनांक 27–29 अगस्त 2019

भ्रमण दल सदस्य –

1. डा0 स्वप्ना दास, महाप्रबंधक, एन.यू.एच.एम., एन.एच.एम.।
2. डा0 डी0एम0 सक्सेना ए0सी0एम0ओ0, नोडल एन0यू0एच0एम0, गाजियाबाद।
3. श्री अतुल, अरबन कोऑर्डिनेटर गाजियाबाद।

निरीक्षण का स्थान– नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र राजनगर, घुकना, शालीमार गार्डेन, करहेड़ा गाजियाबाद –

महाप्रबंधक एन0यू0एच0एम और नोडल अधिकारी एन0यू0एच0एम0 के साथ नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र राजनगर, घुकना, शालीमार गार्डेन, करहेड़ा गाजियाबाद का निरीक्षण किया गया।

पर्यवेक्षण के दौरान माह जुलाई में भ्रमण के दौरान पायी गयी कुछ कमियो में संशोधन पाया गया।

1. आई0ई0सी0 की उपलब्धता हर जगह पायी गयी।
2. पी0एच0सी0 पर स्टाफ– एम0ओ0, नर्स, फार्मासिस्ट एवं लैब टेक्नीशियन उपलब्ध पाये गये एवं ओ0पी0डी0 कार्य सुचारू रूप से चल रहा था।।
3. प्रत्येक पी0एच0सी0 में स्वच्छ परिसर पाया गया।
4. लैब मे सभी इक्यूपमेन्टस मौजूद थे।
5. लैब टेक्नीशियन द्वारा एम0पी0 Smear बनाये जा रहे थे।
6. प्रतिरक्षण हेतु Immunization किया जा रहा था एवं एम0सी0पी0 कार्ड उपलब्ध थे।
7. दवाईयों का रखरखाव वा वितरण भलीभाँति किया जा रहा था।
8. पी0एच0सी0 पर सभी दवाईयाँ उपलब्ध थी।
9. कंडोम बॉक्स सभी जगह उपलब्ध पाया गया एवं परिवार नियोजन की सभी लॉजिस्टिक उपलब्ध थे। केवल शालीमार गार्डेन पी0एच0सी0 पर कंडोम बॉक्स एवं अन्य लॉजिस्टिक उपलब्ध नही थे।
10. परिवार नियोजन से संबंधित सभी कार्य सुचारू रूप से चल रहे है।
11. मास की ट्रेनिंग नही हो रही थी जिसके लिये महाप्रबंधक द्वारा मास ट्रेनर अरेन्ज कर ट्रेनिंग करने हेतु सयुक्त निदेशक मण्डल मेरठ से अनुरोध किया गया। सभी एम0ओ0 एन0यू0एच0एम0 एवं एन0सी0डी0 प्रशिक्षण पा चुके थे, परन्तु एन0सी0डी0 एप्लिकेशन की ट्रेनिंग शुरू नही हुई है। अतः एन0सी0डी0 एप्लिकेशन पर कोई अंकन नही हो रहा है।

निम्न कमिया पाई गयी

पर्यवेक्षण के बिन्दु	कार्यवाही / कार्यवाही का स्तर(मुख्य चिकित्साधिकारी)
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करहेटा में लैब की व्यवस्था बहुत खराब अवस्था मे थी–लैब एक छोटे से कोने में स्थापित था तथा लैब टेक्नीशियन के बैठने की भी जगह उपलब्ध नही थी। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ओपीडी रजिस्टर के हिसाब से लैब रेजिस्टर में टेस्ट नही किए जा रहे थे।	• लैब को नयी जगह पर स्थापित किया जाये।(डी0आई0ओ0 ने वहाँ पर आर0आई0 का कोल्ड प्वाइंट बनाया हुआ है। अतः लैब की जगह उपलब्ध नही है।)

• ए0एन0एम0 के आर0सी0एच0 रजिस्टर अपूर्ण थे, उनमे योग्य दंपत्ति की प्रविष्टि नही थी तथा ए0एन0एम0 को योग्य दंपत्ति के बारे में जानकारी नही थी। • आर0सी0एच0 रजिस्टर की प्रिंटिग ठीक प्रकार की नही पायी गयी।	• ए0एन0एम0 के आर0सी0एच0 रजिस्टर में योग्य दंपत्ति अंकित की जाए।
• एन0सी0डी0 रिपोर्टिंग प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के द्वारा नियमित रूप से पोर्टल पर अपलोड नहीं की जा रही है तथा मासिक एन0सी0डी0 रिपोर्ट सही नही की जा रही है।	• आर0सी0एच0 रजिस्टर की प्रिंटिग ठीक प्रकार से करायी जाए।
• ए0एन0एम0 एवं आशा की एन0सी0डी0 की ट्रेनिंग नही शुरू हुई है। • सी0 बैक फॉर्म नही भरे जा रहे थे।	• मासिक एन0सी0डी0 रिपोर्ट सही प्रकार से की जाए तथा एन0सी0डी0 रिपोर्टिंग प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के द्वारा नियमित रूप से पोर्टल पर अपलोड किया जाये।
• ए0एन0एम0 को टैबलेट दे दिये गये थे, परन्तु सिम इन्सटॉल नही हुआ था।	• ए0एन0एम0 एवं आशा की एन0सी0डी0 की ट्रेनिंग शीघ्रातिशीघ्र कराई जाए तथा सी0 बैक फार्म भरने शुरू हो जाये।
• शालीमार गार्डेन में ए0एन0एम0 के पास वजन की मशीन नही पायी गयी।	• एन0सी0डी0 एप्लिकेशन की ट्रेनिग होने के पश्चात ए0एन0एम0 द्वारा टैबलेट पर रिपोर्ट भरी जायेगी। • ए0एन0एम0 के पास वजन की मशीन उपलब्ध करायी जाये।

मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ बैठक मे निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गयी–

1. समस्त नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर प्रातःकाल योगा का आयोजन किया जाये जिसमें समस्त स्टाफ प्रतिभाग करें तथा उसके पिक्स ग्रुप पर भेजे।
2. समस्त सी0सी0पी0एम0/डी0सी0ए0ए0/डी0ई0ओ0 को एच0डब्ल्यू0सी0 की रिपोर्ट के बारे में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को अवगत कराया जाए।
3. समस्त नगरीय प्राथमिक प्राथमिक केंद्र पर समस्त रजिस्टर की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाये।
4. सभी गर्भवती महिलाओं का एच0बी0, एवं अन्य 04 टेस्ट कराये जाये तथा पी0एच0सी0 पर आने वाले से कम से कम 20 प्रतिशत सभी रोगियों के टेस्ट किए जाये।
5. ए0एन0सी0 के प्रिंटेड रजिस्टर उपलब्ध कराये जाये।
6. टार0सी0एच0 की रजिस्टर की प्रिंटिंग में काफी गलतियाँ पायी गयी जिन्हे दूर कर नये रजिस्टर छपवाने हेतु सी0एम0ओ0 को बताया गया।

महाप्रबंधक एन0यू0एच0एम0 की अध्यक्षता मे जनपद मेरठ मे, की गयी समीक्षा व फीडबैक बैठक के मुख्य बिंदु–

बैठक मे संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मेरठ मण्डल, जनपद मेरठ के मुख्य चिकित्साधिकारी, ACMO-RCH, ACMO-BMW, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, नोडल अधिकारी एन0यू0एच0एम0, मण्डलीय कार्यक्रम प्रबंधक, डिविजनल अरबन हेल्थ कन्सालटेंट, एन0एच0एम के जिला स्तरीय स्टाफ, समस्त चिकित्साधिकारी एवं शहरी स्वास्थ्य समन्वयक जनपद मेरठ, हापुड, बुलंदशहर व बागपत द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में भ्रमण दल द्वारा दिये गये फीड बैक पर बिंदुवार चर्चा की गयी।

1. महाप्रबंधक एन0यू0एच0एम0 द्वारा सभी को राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के उद्देश्यों व सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओ के बारे मे बताया गया
2. जनपद मेरठ मे 21 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हेल्थ वेलनेस सेंटर के सापेक्ष अब तक सिर्फ 13 की ब्रांड़िग हुई है। 8 यू0पी0एच0सी0 जोकि मानकानुसार नही है उनकों शीघ्रातिशीघ्र रिलोकेट कर ब्रांडिग पूर्ण करायी जाए।
3. 9 बजे से 5 बजे तक चिकित्साधिकारी व समस्त स्टाफ का स्वास्थ्य केन्द्र पद उपस्थित रहना अनिवार्य है। अन्यथा की दशा मे अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
4. सभी नगरीय हेल्थ वेलनेस सेंटर पर प्रतिदिन योग किया जाना है। इस हेतु प्रत्येक नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से कम से कम एक स्टाफ को प्रशिक्षित किया जाए।
5. समस्त अभिलेख एवं रिकार्ड सही तरह से पूर्ण हो यह प्रभारी चिकित्साधिकारी की जिम्मेदारी है। संबंधित स्टाफ के इस हेतु क्षमता विकास के लिए शहरी स्वास्थ्य समन्वयक कार्यक्रम निर्धारित करे।
6. ओ0पी0डी0 के कम से कम 20 प्रतिशत केस मे लैब जांच होनी चाहिए।
7. आउटरीच कैंप मे विशेषज्ञ को बुलाया जाय व व्यय सुनिश्चित किया जाए।
8. आगामी सभी प्रशिक्षण को ससमय पूर्ण किया जाए।
9. MAS & RKS के समस्त खाते जल्द से जल्द खुलवा लिए जाए तथा उनमें धनराशि Transfer कर व्यय शुरू किया जाए।

10. रोगी कल्याण समिति के अभिलेख व चेक बुक नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर रखी होनी चाहिए।
11. Data validation committee का गठन समस्त नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आगामी 15 दिवस के भीतर किया जाए।
12. शहरी स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जनपद मे तैनात स्टाफ का rational deployment सुनिश्चित किया जाय।
13. समस्त नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर डे केयर की सेवाए देने हेतु 01 बेड का प्रवधान किया जाए।
14. समस्त नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मानकानुसार इक्विपमेंटस उपलब्ध कराया जाए।
15. बायोमेडिकल वेस्ट सेग्रीगेशन हेतु कलर कोडेड बिन उपलब्ध कराये जाये तथा बायोमेडिकल वेस्ट कलेक्शन ससमय सुनिश्चित किया जाए।
16. जनपद बुलंदशहर व गाजियाबाद की सर्पोटिव सुपरविजन भ्रमण दलो के फीड बैक से भी संयुक्त निदेशक, मेरठ मंडल को अवगत कराया गया व सुधारात्मक कार्यवाही हेतु अनुरोध किया गया।

7. ए0एन0एम0 एवं आशा की एन0सी0डी0 की ट्रेनिंग सुनिश्चित करा कर शीघ्रातिशीघ्र टैबलेट पर एन0सी0डी0 सूचना उपलब्ध करायी जाए।
8. मास की ट्रेनिंग कराने के लिए मण्डल स्तर के 02 ट्रेनर उपलब्ध कराने हेतु मण्डलीय कंसलटेंट को निर्देशित किया गया एवं इसे सितम्बर के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण कराये जाये।
9. डी0सी0ए0ए0 / डी0ई0ओ0 आवंटित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर नियमित रूप से एच0डब्ल्यू0सी0 / एन0सी0डी0 की रिपोर्ट के फारमैट उपलब्ध कराए तथा रिपोर्ट नियमित रूप से चेक करेंगे।
10. प्रत्येक माह की 09 तारीख को प्रधान मंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान का आयोजन सुनिश्चित करायें एवं पोर्टल पर उनकी रेपोर्टिंग भी डी0सी0ए0ए0 / अकाउन्टस कम डी0ई0ओ0 के द्वारा की जाये एवं प्रत्येक प्रभारी चिकित्साधिकारी 2:00 बजे के बाद ही मीटिंग / ट्रेनिंग पर जायेगे तथा ए0एन0एम0 / स्टाफ नर्स के साथ अन्य विषयो पर कार्यो की चर्चा करेगें।
11. स्टाफ नर्स को कौशल क्षमता के लिए महिला अस्पताल के संबद्ध किया जाये।
12. आशा भुगतान समय से किया जाये।
13. समस्त बीमारियो के लिए एक ही ओ0पी0डी0 रजिस्टर का प्रयोग किया जाए।
14. समस्त ए0एन0एम0 को टेबलेट के लिए सिम का वितरण कराना सुनिश्चित करें।
15. समस्त डी0सी0ए0ए0 / डी0ई0ओ0 आवंटित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नियमित रूप से भ्रमण करेंगे तथा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के समस्त कार्य को ठीक करवाऐंगें तथा तथा इसके पश्चात ही सी0एम0ओ0 ऑफिस में कार्य करें।
16. समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी अपने नोटिस बोर्ड पर एन0सी0डी0 लाभार्थियो को प्रदान की गयी सुविधाओ के बारे में भी सूचना दर्ज करेगें ।
17. डी0सी0ए0ए0 / डी0ई0ओ0 आवंटित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर नियमित रूप से अनटाइड यू0पी0एच0सी0, आर0के0एस0 एवं मास की नियमित समीक्षा कराते हुए इन अकाउन्ट से धनराशि व्यय कराने में एम0ओ0आई0सी0 की मदद करेगें।
18. सी0एम0ओ0 गाजियाबाद ने एन0यू0एच0एम0 स्टार्फ की कमी की चर्चा की एवं यह भी अवगत कराया कि श्री अतुल अरबन कोऑर्डिनेटर माह के अन्त में कार्य छोड़ कर जा रहे है। जिस पर महाप्रबंधक ने डिवीजनल एंव कोऑर्डिनेटर को मास ट्रेनिंग सितम्बर के पहले सप्ताह तक समाप्त करने के निर्देश दिये।(दिनांक 4 सितम्बर को मास की ट्रेनिंग पूरी कर ली गयी है।